the srijan school

कक्षा : आठवीं **हिंदी अभ्यास कार्य–3**

प्र.1 इन उपसर्गों का प्रयोग कर तीन–तीन शब्द बनाइए–

दुर् –	निर्
अ –	पर –
सम् –	प्रति –
प्र –	स्व –
बे –	सब –

प्र.2 इन प्रत्ययों का प्रयोग कर तीन–तीन शब्द बनाइए–

इक –	ईय –
इत –	दार –
त्व –	ता –
आवट	ईला –
दान –	ख़ाना –

प्र 3 संधि कीजिए–	महा+उत्सव=	मत+ऐक्य=
परम+ईश्वर=	वसंत+उत्सव=	परम+ओज=
वीर+उचित=	प्रति+ईक्षा=	लघु+उत्तर=
सत्य+अर्थ=	स्व+इच्छा=	सप्त+ऋषि=
प्र.4 संधि विग्रह कीजिए–	वनौषध=	राकेश=
सर्वोदय=	धर्मेश=	महर्षि=
वेदांत=	सूक्ति=	श्रीश=
भानूदय=	वार्तालाप=	अनूदित=

प्र.5 निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय छाँटिए–

क. झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई वीरांगना थीं।

ख. हॉकी के जादूगर मेज़र ध्यानचंद ने हिटलर तक का दिल जीत लिया था।

ग. भारत के देशवासी स्वतंत्रता सेनानियों के आभारी रहेंगे।

घ. मनुष्य द्वारा पत्तियाँ जलाने से प्रदूषण होता है।

ङ. वरिष्ठ अधिकारी ने कार्यालय में आदेश जारी किया।

च. गुरु गोविंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी।

प्र.6 निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तित कीजिए–

क. काम समाप्त करो और सो जाओ। (मिश्र)

ख. पिता ने कहा कि जल्दी घर आ जाना। (सरल)

ग. जिन बच्चों ने पुरस्कार जीता है, वे मंच पर आएँ। (संयुक्त)

घ. आज मैं पुस्तकें खरीदने बाजार जाऊँगी। (संयुक्त)

ङ. कल इस काम का अंतिम दिन है परंतु काम समाप्त नहीं हुआ। (मिश्र)

च. जैसे ही नृत्य आरंभ हुआ, सब शांत हो गए। (सरल)

प्र.7 दिए गए मुहावरों/लोकोक्तियों के ऐसे वाक्य बनाइए जिनसे इनके अर्थ स्पष्ट हो सकें–

अंग–अंग ढीला होना–

कलई खुलना–

अपनी खिचड़ी अलग पकाना–

एक और एक ग्यारह–

ऊँची दुकान फीके पकवान–

अब पछताए होत क्या....–